आईआईएम... 13वें स्थापना दिवस पर राज्यपाल ने लाइब्रेरी व हैप्पीनेस सेंटर का किया उद्घाटन

4 फ्लोर की होगी हाइब्रिड लाइब्रेरी, 800 स्टूडेंट्स एक साथ करेंगे अध्ययन, हैप्पीनेस सेंटर में मिलेगी खुश रहने की ट्रेनिंग

सिटी रिपोर्टर. रांची

ऐसे उच्च कोटि के संस्थान जिस भी राज्य में होते हैं, उस राज्य के लिए गौरव की बात होती है। मैं आईआईएम रांची को हैप्पीनेस सेंटर स्थापित करने की पहल करने के लिए बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि यह केंद्र न सिर्फ आईआईएम रांची के परिवार को खुश रहने में बल्कि समाज और राज्य को भी खुशहाल रखने में मदद करेगा। ये बात झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस ने कही। मौका था आईआईएम रांची के 13वें फाउंडेशन डे समारोह का। राज्यपाल ने पुंदाग स्थित नए कैंपस में नवनिर्मित हाइब्रिड लाइब्रेरी व रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर दी साइंस ऑफ हैप्पीनेस का उद्घाटन किया। आईआईएम रांची के निदेशक शैलेंद्र सिंह, चेयरमैन बोर्ड ऑफ गवर्नर्स प्रवीण शंकर पांड्या, प्रो. नितिन सिंह, प्रो. प्रदीप बाला, प्रो. तनुश्री दत्ता आदि मौजूद रहे। निदेशक ने कहा कि 2010 में पहली क्लास 44 स्टूडेंट्स के साथ शुरू हुई थी। वहीं अब 1015 स्टूडेंट्स 7 अलग-अलग प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। 2010 में दो फैकल्टी मेंबर थे, वहीं अब 55 फैकल्टी मेंबर हैं। डेढ़ हजार से ज्यादा पूर्व छात्र देश-विदेश के विभिन्न संस्थानों में शीर्ष पदों पर काम कर रहे हैं। वर्तमान समय में देश के सभी राज्यों के स्टूडेंट्स कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं।

2010 में पहली क्लास 44 स्टूडेंट्स के साथ शुरू हुई थी, अब 1015 स्टूडेंट्स 7 प्रोग्राम में शिक्षा ले रहे हैं

आईआईएम की जर्नी व अचीवमेंट पर पुस्तक का विमोचन करते गर्वनर।

राजस्थानी, बांग्ला आदि लोकगीतों की प्रस्तुति देते स्टूडेंट्स।

ऑडियो विजुअल के लिए अलग रूम

नवनिर्मित हाइब्रिड लाइब्रेरी का उद्घाटन हुआ। जो 4 फ्लोर का है, जिसमें लगभग 800 स्टूडेंट्स बैठ सकेंगे। इसमें प्रिंट के साथ-साथ डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा होगी। एक ओर साइलेंस जोन होगा। वहीं दूसरी ओर डिस्कशन रूम में स्टूडेंट्स आपस में किसी विषय पर चर्चा कर सकेंगे। एक रूम प्रोफेसर से इंटरेक्शन व एक ऑडियो विजुअल के लिए होगा।

खुश रहने की ट्रेनिंग

संस्थान में रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर दी साइंस ऑफ हैप्पीनेस का उद्घाटन हुआ। जिसमें हैप्पीनेस के विभिन्न पहलुओं पर रिसर्च होगी। साथ ही स्टूडेंट्स को खुश रहने के पीछे छिपे वैज्ञानिक कारणों से रूबरू कराया जाएगा।

प्रो. अमित व अमरेंद्र सम्मानित

स्टूडेंट्स ने कई कल्चरल कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसमें स्टूडेंट्स ने क्लासिकल डांस के साथ-साथ राजस्थानी, बांग्ला आदि लोकगीतों की प्रस्तुति दी। साथ ही कुछ स्टूडेंट्स ने पोएट्री सुनाई। इससे पहले 10 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर दो फैकल्टी प्रो. अमित साचन और अमरेंद्र नंदी को सम्मानित किया गया।

संस्थान छात्रों को नैतिक निर्णय लेने के लिए प्रेरित करें : राज्यपाल

राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि देश के प्रमुख और अग्रणी शिक्षण संस्थानों के रूप में आपका यह दायित्व है कि छात्रों को ऐसी मूल्यवान शिक्षा प्रदान करें जो उन्हें समाज व राष्ट्रहित में नैतिक निर्णय लेने के लिए प्रेरित करे। संस्थान केवल प्रोफेशनल मैनेजमेंट को तैयार करने तक ही सीमित न रहे, बल्कि उन्हें हमेशा अच्छे और जिम्मेदार इंसान बनाने हेतु भी प्रयासरत रहे। मुझे उम्मीद है कि आईआईएम रांची के माध्यम से राज्य में प्रोफेशनल मैनेजमेंट, अंतरराष्ट्रीय ख्याति के शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को तैयार करने में पूर्णतः सहयोग प्राप्त होगा।

Dainik Bhaskar, 16.12.202, Pg. 04